GREENLAWNS HIGH SCHOOL
TERMINAL EXAMINATION YEAR 2019-20

SUBJECT : HINDI　　　　CLASS : IX
TIME : 3 HOURS　　　　MARKS : 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the **first 10 minutes**.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Section: **Section A and Section B**
Attempt **All** the questions from Section A
Attempt **four** questions from Section B, answering at least one question each from the two books. You have studied and any two other questions from the same books you have compulsorily chosen.

Section – A (40 marks)
(Attempt all questions)

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५)

१. ''हम भारतवासी हैं और हमें इस पर गर्व है।" इस वाक्य को ध्यान में रखते हुए भारत की संस्कृति और सभ्यता की श्रेष्ठता का वर्णन कीजिए।

२) यदि आप समाज सुधारक होते, तो समाज में फैली किन-किन बुराइयों को दूर करते और कैसे अपने विचार लिखिए।

३) ''डिजिटल इंडिया" समय की माँग है। कथन के आधार पर इसकी अच्छाइयों एवं सीमाओं की विस्तार से चर्चा कीजिए।

४) ''दृढ निश्चय असफलता को सफलता में बदल सकता है।" इस उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न २. निम्नलिखित मेंसे किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए:- (७)

१. एक बार विद्युत विभाग में बड़ी तकनीकी खराबी आ जाने के कारण तीन दिन तक आपको बिजली की सप्लाई नहीं मिली। ग्रीष्मावकाश के वे तीन दिन आपने जिस कठिनाई में बिताए, उसका पूर्ण विवरण देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

२. आपके क्षेत्र में सड़कों पर रोशनी (street light) न होने से अंधकार रहता है। नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखकर अपेक्षित प्रबंध करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्रश्न ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथा संभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:-

डॉ. राधाकृष्णन भाषण कला के आचार्य थे। विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन पर भाषण देने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया। श्रोता तो उनके भाषणों से मंत्रमुग्ध ही रह जाते थे। डॉ. राधाकृष्णन में विचारों, कल्पना तथा भाषा द्वारा विचित्र ताना-बाना बुनने की अद्भुत क्षमता थी। वस्तुतः उनके प्रवचनों की वास्तविक महत्ता उनके अंतर में निवास करती थी, जिसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। उनकी यही आध्यात्मिक शक्ति सबको प्रभावित करती थी, अपनी ओर आकर्षित करती थी और संकुचित क्षेत्र से उठाकर उन्मुक्त वातावरण में ले जाती थी। हाजिरजवाबी में तो डॉ. राधाकृष्णन गजब के थे। एक बार वे इंग्लैड गए। विश्व में उन्हें हिंदुत्व के परम विद्वान के रुप में जाना जाता था। तब देश परतंत्र था। बड़ी संख्या में लोग उनका भाषण सुनने के लिए आए थे। भोजन के दौरान एक अंग्रेज ने डॉ. राधाकृष्णन से पूछा,''क्या हिंदू नाम का कोई समाज है ? कोई संस्कृति है ? तुम कितने बिखरे हुए हो ? तुम्हारा एक-सा रंग नहीं कोई गोरा, कोई काला, कोई बौना, कोई धोती पहनता है, कोई लुंगी, कोई कुर्ता तो कोई कमीज। देखो, हम अंग्रेज एक जैसे हैं सब गोरे-गोरे, लाल-लाल"। इस पर डॉ. राधाकृष्णन ने तपाक के उत्तर दिया, ''घोड़े अलग-अलग रंग रुप के होते हैं, पर गधे एक जैसे होते हैं। अलग-अलग रंग और विविधता विकास के लक्षण है। 'गीता में प्रतिपादित कर्मयोग के सिद्धांतों के अनुसार वे एक निर्विवाद निष्काम कर्मयोगी थे। भारतीय संस्कृति के उपासक तथा राजनीतिज्ञ। इन दोनों ही रुपों में उन्होंने यह प्रयत्न किया कि वह संपूर्ण मानव व समाज का प्रतिनिधित्व कर सकें और विश्व के नागरिक कहे जा सके। वे एक महान शिक्षाविद् थे और शिक्षक होने का उन्हें गर्व था। उन्होंने अपने राष्ट्रपतित्व काल में अपने जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने की इच्छा प्रकट की थी। तभी से ५ सिंतबर को 'शिक्षक दिवस 'के रुप में मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन गौतम बुद्ध की तरह ह्रदय में अपार करुणा लेकर आए थे। उनका दीप्तिमय तथा उज्ज्वल आलोक, भारत के आकाश में तो फैला ही, विश्व की धरती भी उनकी रश्मियों के स्पर्श से धन्य हो गई। पूर्ण आयु एवं यशस्वी जीवन का लाभ प्राप्त करने के बाद, वे ८७ वर्ष की आयु में १६ अप्रैल,१९७८को ब्रह्मलीन हो गए। कठिन से कठिन परिस्थितियों में, निष्काम एवं समर्पण भाव से कर्म करने के मार्ग को डॉ. राधाकृष्णन, पुरुषार्थ का प्रशस्त मार्ग बताते थे। सदैव परमात्मा को स्मरण रखने का अर्थ ही विश्वसत्ता के साथ स्वयं को जोड़े रखना है। समष्टि की चेतना से अपने को जोड़े रखना जिससे व्यष्टि का अभिमान कंधे पर सवार न होने पाए और अपने कर्तव्य को प्रभु की विधि मानना भी सक्रिय विसर्जन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए है। डॉ. राधाकृष्णन हिंदुस्तान के साधारण आदमी के विश्वास, समझदारी, उदारता, कर्तव्यपरायणता सनातन मंगल भावना, ईमानदारी और सहजता इन सबके साकार प्रतिबिंब थे। उन्हें बड़े देश का नागरिक होने का बोध और अधिक विनम्र बनाता था। उन्हें उँचे-से-उँचे पद ने और अधिक सामान्य बनाया तथा राजनीति के हर दाव-पेंच ने और अधिक निश्चल बनाया।

प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१) डॉ. राधाकृष्णन में कौन-सी अद्भुत क्षमता थी ? (२)

२) लोग उनकी किस शक्ति से प्रभावित होते थे ? (२)

३) डॉ. राधाकृष्णन ने अपने समाज और संस्कृति पर कटाक्ष करने वाले अंग्रेज को क्या उत्तर दिया? (२)
४) डॉ. राधाकृष्णन किसके साकार प्रतिबिंब थे? (२)
५) वे पुरुषार्थ का प्रशस्त मार्ग किसे बताते थे? (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-
१) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:- (१)
आंतरिक, उत्कृष्ट, कनिष्ठ, दुष्कर
२) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (१)
इंद्र, उत्कोच, दरिद्र
३) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए:- (१)
कवि, सेवक,संक्रमित, उपस्थित
४) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के तद्‌भव शब्द लिखिए:- (१)
कपोत, नृत्य, पुष्प, भ्रमर
५) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए:- (१)
आँखे दिखाना, टका-सा जवाब देना
६) कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:-
अ) भारत पर विजय प्राप्त करना संभव नहीं है। (बिना अर्थ बदले 'नहीं' हटाइए) (१)
ब) सचिन को राष्ट्रपति ने पुरस्कार दिया। (द्वारा शब्द का प्रयोग कीजिए।) (१)
क) वह रोता-रोता हँसने लगी। (वाक्य शुद्ध कीजिए) (१)

SECTION – B (40 MARKS)

Question from only two of the following text books are to be answered.
Attempt four questions from this section.
You must answer at least one question from each of the two books. You have studied and any two other questions from the same books that you have chosen.

साहित्य सागर- संक्षिप्त कहानियाँ

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-
'हजूर, मान जाइए। आप समझें, आपने मेरा काम मुफ्त किया
१) यह वाक्य कब, किसके द्वारा किसके लिए प्रयोग हो रहा है? [2]
२) यह वाक्य किसने सुना तथा क्या सोचा? स्पष्ट कीजिए। [2]
३) उपरोक्त वाक्य किसने, किसको बताया और क्या बात ज्ञात हुई? समझाकर लिखिए। [3]
४) उपरोक्त वाक्य सें समाज में व्याप्त किस बुराई का पता चलता है? लेखक ने किस तरह की सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग्य किया है? [3]

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कंठित था।
वह अपनी इच्छा किसी तरह रोक न सका।"

१) श्यामू ने पतंग कहाँ देखी तथा किससे माँगी ? उसे क्या उत्तर मिला और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) श्यामू को पतंग के लिए पैसे कहाँ से तथा कैसे मिले ? समझाकर लिखिए। (२)
३) पतंग मँगाने का रहस्य किसने, अपने किस साथी को बताया और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (३)
४) कहानी के मुख्य पात्र श्यामू का चरित्र-चित्रण कीजिए ? (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"सुनकर पहले तो सेठ बहुत दुखी हुए, पर बाद मे अपनी
तंगी का विचार कर यज्ञ बेचने के लिए तैयार हो गए।"

१) सेठ के दुखी होने का कारण स्पष्ट रुप से लिखिए। (२)
२) उन्होंने यज्ञ बेचने के लिए किसे चुना और क्यों ? (२)
३) क्या सेठ यज्ञ बेचने में सफल हुए ? कारण सहित लिखिए। (३)
४) प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए। (३)

साहित्य सागर -- पद्य भाग

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

जन्में जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थीं सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युद्ध भूमि मेरी, वह बुद्ध भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

१) यहाँ राम और सीता का उल्लेख क्यों किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) श्रीकृष्ण ने किस ग्रंथ में किसे, क्या उपदेश दिया था ? (२)
३) गौतम कौन थे ? उन्होंने मानवता को दुखों से छुटकारा दिलाने के लिए क्या सन्देश दिया ? उन्होंने संसार को दीपक कैसे दिखाया ? (३)
४) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:- (३)
पुनीत, दिया, रघुपति, जग, मातृभूमि, सुयश

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"उसे भूल वह फँसा परस्पर
ही शंका में भय में
लगा हुआ केवल अपने में
और भोग-संचय में।।"

१) प्रस्तुत कविता किस कवि की किस रचना से ली गई है ? उस रचना के विषय में तीन पंक्तियाँ लिखिए। (२)
२) 'उसे भूल से क्या तात्पर्य है ? कौन, किसे भूल गया है और क्यों ? (२)

३) कवि के अनुसार आज मनुष्य किस प्रकार का जीवन व्यतीत कर रहा है ? समझाकर लिखिए। (३)
४) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। (३)

प्रश्न १०. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूँ पाँय।
बलिहारी गुरु आपने , जिन गोबिन्द दियौ बताय।।"

१) यहाँ पर किसके मन में क्या प्रश्न उठा है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) उन्होंने अपने प्रश्न का हल कैसे एंव किस प्रकार निकाला ? स्पष्ट कीजिए। (२)
३) प्रस्तुत साखी से आपको क्या शिक्षा मिलती हैं ? (३)
४) अर्थ लिखिए: (३)

गोबिन्द, दोऊ, काके, बलिहारी, गुरु, पाँय